

For C. Certificate (N.S.S.) Project Report



शा.पं.श्याम. शंकर मिश्र महा. देवभोग

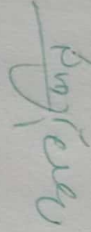
विषय

★ किडनी प्रभावित ग्राम सूपेबेड़ा का अध्ययन ★

प्रस्तुतकर्ता  
नाम - विशेषर  
स्वयं सेवक  
राष्ट्रीय सेवा योजना

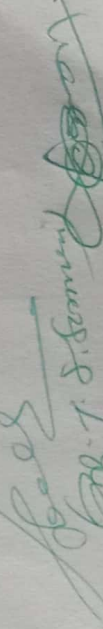


कार्यक्रम अधिकारी  
रा.से.यो.



जिला संगठक अधिकारी

रा.से.यो.



प्राचरसिद्धिपाल  
Dr. P. S. S. Mishra College, Deobhog  
Distt. Garhband (C.G.)

## किड़नी प्रभावित ग्राम सुपेबेड़ा का अध्ययन

रूपरेखा –

- (1) प्रस्तावना
- (2) ग्राम सुपेबेड़ा से सम्बंधित आंकड़े
- (3) ग्राम सुपेबेड़ा की भागौलिक स्थिति
- (4) ग्राम सुपेबेड़ा में ग्रामीणों की जीवन यापन
- (5) सूपेबेड़ा में पर्यावरण दशा
- (6) सूपेबेड़ा में स्वच्छता
- (7) सूपेबेड़ा में सात दिवशीय एन.एस.एस शिविर
- (8) मेरे द्वारा किये गये कार्य
- (9) निष्कर्ष
- (10) संन्दर्भ
- (11) प्रमाण पत्र
- (12) पेपर कटिंग



1. प्रस्तावना :- ग्राम सूपेबेड़ा में लगातार किड़नी बीमार से ग्रसित के कारण अब तक लगभग 73 लोगो की मृत्यु हो चुकी है। छत्तीसगढ़ ही नही पुरे भारत में यह ऐसे ग्राम है,जहां इस किड़नी बीमारी के कारण इतने लोगों की जान जा चुक है जिससे यह विश्वविख्यात रहकर इस समस्या से जुझ रही है।

लगातार किड़नी बीमारी से होने वाली मृत्यु अभी भी नही रुक रही है,इस लिए इस समस्या से जुझता गांव को देखकर मुझे इस गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा सेवा करने का विचार आया और इस ग्राम को स्वच्छता एवं अन्य गतिविधियों मे जागरूकता कर प्रेरित करने कि कोशिस कि।

2. ग्राम सूपेबेड़ा से सम्बंधित आंकड़े :- वि.ख देवभोग के आश्रित ग्राम पंचायत सूपेबेड़ा पांच मोहल्ले में विभाजित है,जिसमें बस्तीपारा,पटेलपारा,हरिजनपारा,सतनामीपारा एवं बोड़पारा आते है और इन सभी मोहल्ले में कुल जनसंख्या 1182 है जिसमें पुरुष 596 एवं महिला 586 की संख्या में है।

3. ग्राम सुपेबेड़ा की भौगोलिक स्थिति :- पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि रायपुर गोद ग्राम सूपेबेड़ा के नाम से जाने जानी वाली ग्राम जिला मुख्यालय से लगभग 140 कि.मी की दुरी पर स्थित ग्रामीण अंचल वि.ख देवभोग के ग्राम सूपेबेड़ा उत्तर दिशा की ओर स्थित है।

4. ग्राम सूपेबेड़ा में ग्रामीणो का जीवन-यापन :- सूपेबेड़ा एक ग्रामीण ग्राम है यहां के लोग सामान्य जीवन व्यतीत करते है वे सामान्यतः पानी पीने के लिए हैण्डपम्प की जल का उपयोग एवं नहाने के लिए तालाब के पानी का उपयोग करते है तथा वे बाजार के सामान का ज्यादातर उपयोग



करते हैं व वेशभूषा में बुजुर्गों द्वारा धोती एवं पंजामा तथा युवा पीढ़ी पेंट शर्ट धारण करते हैं।

यहां के व्यक्ति ज्यादातर कृषि पर आश्रित रहते हैं जहां 90 प्रतिशत सिर्फ किशान हैं पीने का पानी बीमारी के पहले हैंडपम्प का उपयोग करते थे, किन्तु अब सरकार द्वारा लगाई गई वॉटर प्यूरेटर से पानी पीते हैं।

5. **सूपेबेड़ा में पर्यावरणीय दशा :-** ग्राम सूपेबेड़ा जिला मुख्यालय शहर गरियाबंद से दुरस्थ ग्रामीण अंचल 140 कि.मी की दुरी पर स्थित होने के कारण तथा इस क्षेत्र में कल कारखाने नहीं होने के कारण यहां पेंड पौधे हरे-भरे रूप में पाये जाते हैं व शुद्ध वायु शुद्ध परिवेश में रहते हैं।

6. **सूपेबेड़ा में स्वच्छता :-** सूपेबेड़ा ग्राम में स्वच्छता कुड़े करकट का निपटारा कुछ लोग तो करते थे किन्तु अधिकतर लोग नहीं करते थे।

एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत यहां के 50 प्रतिशत लोग शौचालय का उपयोग करते थे एवं 50 प्रतिशत बुजुर्ग व्यक्ति खुले में शौच करत थे।

7. **सूपेबेड़ा में सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर :-** राष्ट्रीय सेवा योजना शासकीय पंडित श्याम शंकर मिश्र महा.वि देवभोग एवं शा.नवीन महा.वि. गोहरापदर के संयुक्त तत्वधान में दिनांक 13.12.2019 से 19.12.2019 तक पं.रवि शुक्ल वि.वि रायपुर गोद ग्राम सूपेबेड़ा में आयोजन किया गया। जिसमें एन.एस.एस स्वयं सेवक प्रथम दिवस में शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित कर सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ किया तथा द्वितीय दिवस में स्कुल परिसर की साफ सफाई की एवं तृतीय दिवस में पशु स्वस्थ्यकर्मी के साथ सहयोग देकर पशु टिकाकरण में हेल्प किये गये एवं चतुर्थ दिवस ग्राम सूपेबेड़ा बस्ती में कुड़े करकट सफाई की गई एवं पंचम दिवस भी जल स्रोत पर सफाई की गई एवं षष्ठम दिवस में स्कुल परिसर की दिवार की



पोताई कि गई एवं सभी दिन कि शिविर दिनचर्या सही रूप से संचालन किया गया, इसी तरह सभी जन जागरूकता के लिए अनेक रैलीया एवं जनसंपर्क तथा नुकड़ नाटक एवं सास्कृतिक कार्यक्रम कर अन्तिम सप्तम दिवस में कार्यक्रम की समापन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से टी.एस सोनवानी सर (जिला संगठन अधिकारी) एवं टी.एस मरकाम (कार्यक्रम अधिकारी) राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं.श्याम.शंकर मिश्र महा.वि. देवभोग उपस्थित थे।





8. मेरे द्वारा किये गये कार्य :- राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक रहते हुए एवं किडनी प्रभावित ग्राम सूपेबेड़ा परियोजना के तहत मेरे द्वारा निम्न कार्य किया गया। :-

(1 ) स्वच्छता के लिए साफ सफाई :- मेरे द्वारा स्वच्छता के जागरूकता के लिए ग्राम सूपेबेड़ा में साफ सफाई किया गया जैसे - पालिथिन, कुड़े-करकट का निपटारा।





(2) जल स्रोत की सफाई :- जल स्रोत जैसे वाटर टैंक एवं हैण्डपम्प के सामने गन्दगी की सफाई किया एवं जागरूकता करवाया।



(3) स्वच्छता रैली एन.एस.एस के माध्यम से :- राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं. श्याम शं मि .महा.वि. देवभोग एवं शा. नवीन महा.वि गोहरापदर के एन.एस.एस स्वयं सेवक के साथ स्वच्छता रैली जागरूकता के लिए करवाया।





(4) ग्रामीणों को स्वच्छता के लिए जागरूकता :- ग्राम सूपेबेड़ा में स्वच्छता के विषय पर जागरूकता करने के लिए मोहल्ला एवं पारा जाकर जन सम्पर्क एवं स्वच्छता विषय पर समझाया।



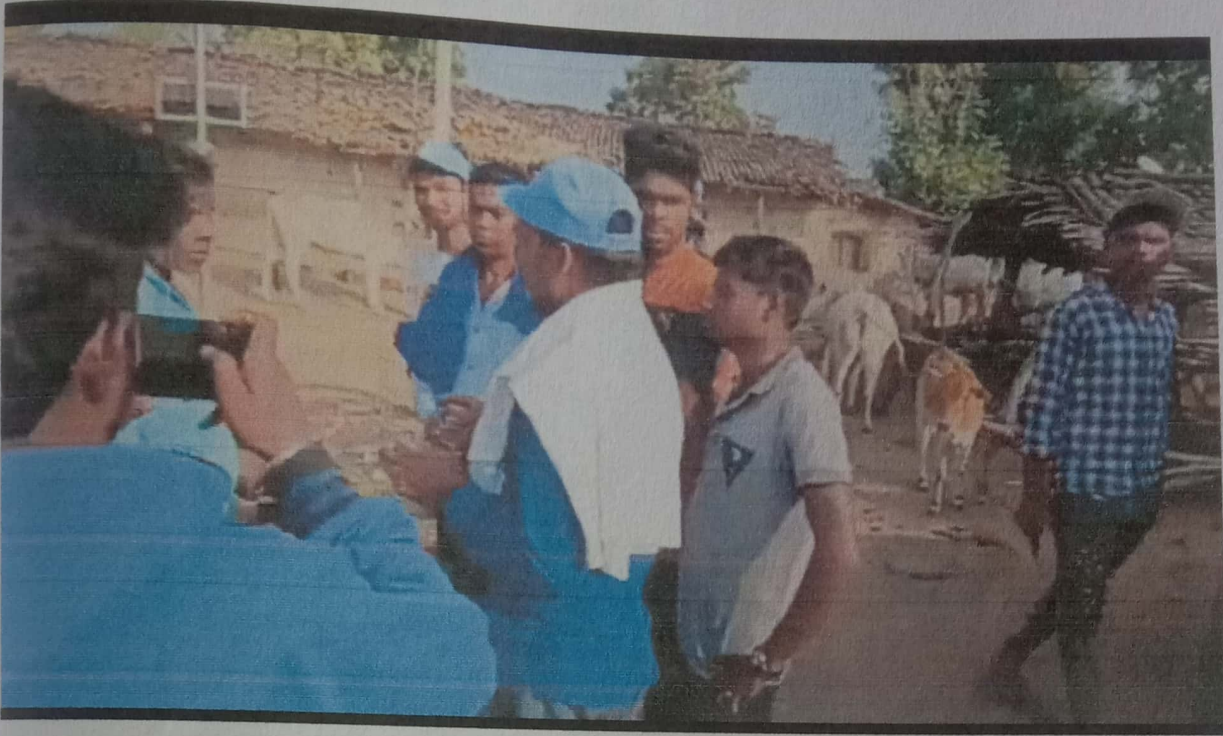


(5) किडनी बीमारी से बचाव के उपाय बताते हुए :- ग्रामीणों को सांस्कृतिक कार्यक्रम नुकड नाटक के द्वारा ग्रामीणों को अंधविश्वास जागरूक किया गया तथा मैने भी एक परियास कर किडनी बिमारी के कारण एवं उपचार बताया ।





(6) मवेशियो के टीकाकरण में सहयोग :- शिविर दौरान पशु स्वास्थ्य कर्मी के साथ मवेशिया का टिकाकरण में सहयोग किया।



(7) शौचालय के उपयोग के लिए जागरूकता :- ग्राम सूपेबेड़ा में शौचालय के उपयोग के लिए जन सम्पर्क कर जन जागरूक करवाया।





(8) पौधा रोपण :- मेरे द्वारा स्कूल परिसर मे पौधे रोपण किया गया ।



(9) मास्क वितरण :- विश्व महामारी कोरोना संकट काल में स्वनिर्मित मास्क को ग्राम सूपेबेड़ा में मेरे नेतृत्व में मैंने एव मेरे साथियों ने मास्क वितरण किया गया ।







(10) मेरे द्वारा महाविद्यालय मे किये गये कार्य :- राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं. श्याम.शंकर मि.महा.वि.देवभोग के स्वयं सेवक रहकर मेरे द्वारा अनेक कार्य किये गये।







(9) निष्कर्ष :- राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य युवाओं की सामाजिक सेवा के साथ साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करना है मैंने राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किडनी प्रभावित ग्राम सुपेबेडा के अध्ययन के तहत एक स्वयं सेवक के रूप में अनेक छोटे बड़े कार्य किये एवं राष्ट्रीय सेवा योजना शा.पं.श्याम.श.मि.महा.वि. देवभोग एवं शा.नवीन महा.वि. देवभोग के संयुक्त तत्वधान में अनेक सेवा कार्य किए गये जिसमें ग्राम सुपेबेडा में गली की साफ-सफाई एवं शौचालय के उपयोग के लिए प्रेरित एवं अनेक स्वच्छता रैली एवं जनसम्पर्क तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम नुकड नाटक के द्वारा ग्रामीणों को अंध विश्वास एवं पाखण्ड मुक्त अनेक जागरूकता कि गई जिससे ग्रामीणों में स्वच्छता तथा अंधविश्वास पाखण्ड के मामले मे हो या साफ सफाई के विषय मे हो तथा शौचालय के उपयोग के विषय में हो यह जागरूकता देखी गई जो सात दिवसीय शिविर एवं मेरे द्वारा किये गये कार्य की एक सफलता है।

॥ स्वच्छ गांव स्वच्छ माटी, स्वच्छ देश स्वच्छ परिवेश ॥

॥ राष्ट्रीय सेवा योजना सफल हो सफल हो ॥

(10) संन्दर्भ :- नई दुनिया न्युज ,कार्यलाय ग्रा.प.सुपेबेडा,राष्ट्रीय सेवा योजना  
शा.पं.श्याम.शंकर मिश्र म.वि.देवभोग,कार्यलाय जनपद पंचायत देवभोग,प्राथमिक  
स्वास्थ केन्द्र देवभोग,आगनबाडी कार्यकर्ता सुपेबेडा,त्रिलोचन सोनवानी ग्रामीण  
ग्राम सुपेबेडा

(11)प्रमाण पत्र :- राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत मिलि निम्न प्रमाण पत्र  
सलंगन है।



५

# कल्याण नगरपालिका

५

# ग्राम पंचायत सुपेबेडा

जिला—गरियाबंद (छ.ग.)

सत्र—2019—2020

## प्रमाण—पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि चि/कु. विशेषर पिता श्री केशबो राम शासकीय.पं.श्याम.शंकर.मिश्र.महाविद्यालय.देवमोग के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के स्वयं सेवक ने किडनी प्रभावित ग्राम सुपेबेडा में परियोजना के तहत विशेष सफाई कर स्वच्छता एवं पेयजल के लिए ग्रामीणोंको जागरूक किया । इस सराहनिय कार्य के लिए ग्राम—पंचायत सुपेबेडा यह प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है ।

Sunita Nayak

S.NAYAK

Sarpanch

Gram Panchayat Supebeda

Bl, Deobhog, Dist-Gariaband(C.G.)

संरपंच

दिनांक:— 20 / 12 / 2019

ग्राम पंचायत सुपेबेडा







# राष्ट्रीय सेवा योजना

शायकीय पं. श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग

जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

सात दिवसीय विशेष शिविर  
स्वच्छता ही युवा सेवा

## प्रमाण पत्र




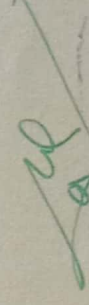
क्रमांक 11/368/2018



प्रमाणित किया जाता है कि श्री / सुश्री **विश्वेश्वर नागेश्वर पित्त श्री केशवो राम**.....

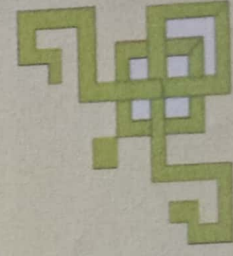
राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत दिनांक 08.12.2017 से 14.12.2017 तक ग्राम - मुंगझर (देवभोग) जिला- गरियाबंद (छ.ग.) में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर में नायक/ दल नायक शिविरार्थी के रूप में भाग लिया। शिविर अवधि में इनका कार्य एवं व्यवहार अच्छा रहा। हम इनके उच्च अवस्थि की कामना करते हैं।

  
कार्यक्रम अधिकारी



PRINCIPAL  
Govt. Pt. S. Mishra College, Deobhog  
Distt. Garhiyaband (C.G.)

प्राचार्य







राष्ट्रीय सेवा योजना  
NATIONAL SERVICE SCHEME



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)  
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

बी

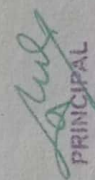
क्रमांक/ No.: 11  
4-265/182/03

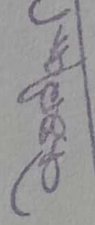
प्रमाण-पत्र  
Certificate

प्रमाणित किया जाता है कि This is to Certify that श्री/कुमारी Shri / Ku. विशेषर नागेश  
आत्मजा/आत्मजा/श्री Son / Daughter of श्री केशवो राम कक्षा Class बी.एस.ली.भाग-तीन  
महाविद्यालय Institution शास.पं.श्यामशंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग ने राष्ट्रीय सेवा योजना  
के स्वयंसेवक के रूप में सत्र से सत्र तक निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार 240 घंटे / 'ए' प्रमाण-पत्र धारक  
होने के कारण सत्र में 120 घंटे का सेवा कार्य पूर्ण किया। मूल्यांकन के पश्चात् इन्हें "बी" प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

has completed 240 hours / from Session ..... to ..... / 120 hours with "A" Certificate in  
session ..... as NSS Volunteer. "B" Certificate is being given to him after evaluation.

दिनांक : .....  
Date : .....

  
PRINCIPAL  
Govt. Pt. S.S. Mishra College, Deobhog  
Distt. Gariyaband (C.G.)  
Principal

  
कुलपति  
Vice-Chancellor  
Principals & Co-ordinators,  
Pt. Ravishankar Shukla University,  
RAIPUR (C.G.)



# जनपद पंचायत देवभोग

जिला-गरियाबंद(छ.ग.)

सत्र-2017-2018

**- प्रमाण - पत्र -**

प्रमाणित किया जाता है कि चि./कु विशेषर नाडोश पिताश्री केशवो राम.....ने शासकीय पं.श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा विषय पर आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 08.12.2017 से दि.14.12.2017 तक ग्राम- मुंगझर में विशेष सफाई कर ग्रामीण जनों को जागरूक किया। इन सराहनीय कार्य के लिए जनपद पंचायत देवभोग यह प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

श्रीमती नेहा सिंघल

अध्यक्ष

जनपद पंचायत देवभोग

*Amiteb*

श्री अमितेब अवस्थी

समापति

जनपद पंचायत देवभोग

*Vinay Kumar*

श्री विनय अप्रवाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जनपद पंचायत देवभोग





कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी  
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

“ Electoral Literacy for Stronger Democracy ”

--: प्रशस्ति पत्र :-

शैक्षणिक सत्र 2019-20 में मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में कैंम्पस एम्बेसडर के रूप में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये श्री / श्रीमती / कु. ....~~शेखर~~.....पिता/पति-श्री .....~~शेखर~~..... (छ.ग.) को 25 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर यह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ।

*Dr. Anam*  
प्राचार्य

प्रमुख  
राष्ट्रीय शैक्षणिक मंत्रालय  
गरियाबंद, जिला-गरियाबंद (छ.ग.)

*(Signature)*  
कलेक्टर

एवं जिला निर्वाचन अधिकारी  
जिला-गरियाबंद (छ.ग.)



# जनपद पंचायत देवभोग, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

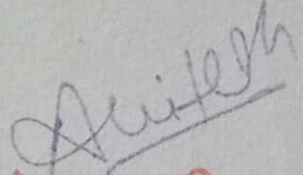
वर्ष 2015-16

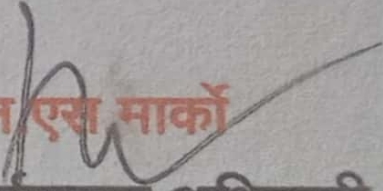
## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि चि./कु. .... विशेश्वर ..... ने

पं. श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोग के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा स्वच्छता व युवा पर आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर (दिनांक 14.12.2015 से 20.12.2015 तक) गिरसूल में विशेष सफाई कर ग्रामीण जनों को जागरूक किया। इनके सराहनीय कार्य के लिए पंचायत देवभोग यह प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

  
प्रीती नेहा सिंघल  
जनपद पंचायत देवभोग

  
अमितेश अवस्थी  
सभापति, जनपद पंचायत देवभोग

  
एल/एस मार्को  
मुख्य कार्यपालन अधिकारी  
जनपद पंचायत देवभोग





## Election Commission of India

### *Certificate of appreciation*

Certified that Mr./Miss **VISHESH NAGESH** EPIC number **NBD1451954** has verified his/her details in electoral roll on **20/09/2019** and authenticated his/her enrollment through **Voter Helpline Mobile App** using the document **Adhaar Card**.

We appreciate the elector and recognize his/her contributions towards strengthening democracy.

CEO (Chhattisgarh)

'No voter to be left behind'





# राष्ट्रीय सेवा योजना

शासकीय पं. श्याम शंकर मिश्र महाविद्यालय देवभोपा

जिला - गरियाबंद (छ.प्र.)

सात दिवसीय विशेष शिविर 2015

स्वच्छता के लिए युवा

**प्रभाषण पत्र**

दि. 20-12-2015



प्रमाणित किया जाता है कि श्री/ सुश्री ..... विशेषरूप से राष्ट्रीय सेवा योजना के

अंशक 14.12.2015 से 20.12.2015 तक ग्राम - गिरसूल, विकास खण्ड देवभोपा में आयोजित सात दिवसीय विशेष

शिविर-नायक/दस-नायक/शिविरार्थी के रूप में भाग लिया ।

शिविर अवधि में इनका कार्य एवं व्यवहार अच्छा रहा ।

उन इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं ।

*Handwritten signature*

कार्यक्रम अधिकारी

*Handwritten signature*

प्राचार्य







द्वारा शिविर में प्रतिदिन प्रातः योग एवं व्यायाम शिविर प्रभातफेरी के तहत प्रेरणा गीतों का गांव के गलियों में गुंजन करने के साथ ही प्रेरक नारे लगाए जा रहे हैं।



परियोजना कार्य के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों की सफाई करते हुए निर्माण कार्य किया जाएगा बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन कृषि एवं पशुपालन, पुलिस एवं परिवहन, स्वास्थ्य विभाग के साथ वक्ताओं द्वारा ग्रामीणों एवं शिविरार्थी के बीच विभिन्न विषयों पर परिचर्चा आयोजित किए जा रहे हैं शिविर में ग्रामीण जनों एवं शिविरार्थी स्वयं सेवकों के बीच प्रतिदिन देशी खेलों का आयोजन ,





# राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर सुपेबेड़ा में 13 से 19 तक



**देवभोग।** शासकीय पंडित श्याम शंकर महाविद्यालय व नवीन महाविद्यालय गोहरापदर की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 13 दिसम्बर से किडनी प्रवाहित ग्राम पंचायत सुपेबेड़ा किया गया इस दौरान प्रथम दिवस पर मुख्य अतिथि सरपंच सुपेबेड़ा एवं देवभोग महाविद्यालय के प्राचार्य टी. एस.मरकाम व गोहरापदर प्राचार्य डॉ. टी.एस.सोनवानी मौजूद रहे। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय

सत्यम सिंह श्याम जी धोती दिवस के बौद्धिक परिचर्चा में बच्चों को समाज में पुलिस की भूमिका के बारे में बताया और बच्चों को यातायात संबंधी भी जानकारी दी इस शिविर में लगभग 120 शिविरार्थी स्वयं सेवक छात्र छात्राएं एवं प्रधान अध्यापक अपना सहभागिता बहुत ही अच्छे ढंग से निभा रहे हैं , कार्यक्रम अधिकारी टी. एस.मरकाम ने बताया कि 13 दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेवा

में प्रतिदिन प्रातः योग एवं व्यायाम शिविर प्रभातफेरी के तहत प्रेरणा गीतों का गांव के गलियों में गुंजन करने के साथ ही प्रेरक नारे लगाए जा रहे हैं।

परियोजना कार्य के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थानों की सफाई करते हुए निर्माण कार्य किया जाएगा बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन कृषि एवं पशुपालन , पुलिस एवं परिवहन, स्वास्थ्य विभाग के साथ वक्ताओं द्वारा ग्रामीणों एवं शिविरार्थी के बीच

आयोजित किए जा रहे हैं शिविर में ग्रामीण जनों एवं शिविरार्थी स्वयं सेवकों के बीच प्रतिदिन देशी खेलों का आयोजन , रात्रि में गीत कविता रिकार्डिंग नृत्य नुक्कड़ नाटकों के साथ जागरूकता संदेश देने का प्रयास किया जाएगा

इस दौरान शिविर का नायक धर्मेन्द्र सिन्हा व जोगेन्द्र प्रधान एवं नायिका कुमारी रेखा सोना, कुमारी दीपा एवं भारती को चुना गया है, शिविर का सफल संचालन हेतु विभिन्न दल एवं समितियों का दल